

पद १४१

(राग: भैरवी – ताल: त्रिताल)

जनकराज पूछे दो बालक को ॥ध्रु.॥ कवन नगर इनका कहाँ
ठिकाना । कहाँ के कुंवर ये जो धनभाग जीको ॥१॥ मानिक कहे
प्रभु तुमरे स्वरूप को । देखत जनक का मोहे मन जी को ॥२॥